

**भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 929
दिनांक 25.07.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए**

संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशन में भारत की भूमिका

929. डॉ. भोला सिंह:
श्री प्रवीण पटेल:
श्रीमती हिमाद्री सिंह:
श्री पी. पी. चौधरी:
श्री शंकर लालवानी:
श्री जुगल किशोर:
डॉ. हेमांग जोशी:
श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा अभियानों में भारत द्वारा शांति रक्षकों को प्रशिक्षण देने में निभाई जा रही भूमिका और उसके योगदान का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) वर्ष 2028 तक संयुक्त राष्ट्र की 'जेंडर पैरिटी' रणनीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उठाए जा रहे उपाय कौन-कौन से हैं;
- (ग) संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा अभियानों में भारतीय महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं; और
- (घ) फरवरी, 2025 में आयोजित "ग्लोबल साउथ की महिला शांति रक्षकों" विषय पर हुए सम्मेलन के उद्देश्य और परिणाम क्या हैं?

**उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)**

(क) भारत का संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र (सीयूएनपीके) एक संयुक्त राष्ट्र-प्रमाणित प्रशिक्षण संस्थान है जिसकी स्थापना 2000 में नई दिल्ली में हुई थी। यह भारत और मित्र देशों से संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों में तैनात होने के लिए नामित सैन्य दलों, सैन्य पर्यवेक्षकों और स्टाफ अधिकारियों को एकीकृत प्रशिक्षण प्रदान करता है।

इसकी स्थापना के बाद से, सीयूएनपीके ने 96 देशों के लगभग 10,000 भारतीय शांति सैनिकों और 2,000 विदेशी शांति सैनिकों को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान किया है। यह नियमित रूप से तैनाती-पूर्व प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, शांति सेना दल कमांडर पाठ्यक्रम, सैन्य पर्यवेक्षक पाठ्यक्रम आदि संचालित करता है। सीयूएनपीके में भारत के शांति स्थापना संबंधी व्यापक अनुभव का संग्रहण भी किया गया है।

(ख - ग) संयुक्त राष्ट्र की जेंडर पैरिटी रणनीति में यह प्रावधान शामिल है कि 2028 तक सैन्य टुकड़ियों में 15% सैन्य दलों और 25% स्टाफ अधिकारी/पर्यवेक्षक महिलाएँ होनी चाहिए। वर्तमान में, भारत ने स्टाफ अधिकारियों/पर्यवेक्षकों की तैनाती के संबंध में 22% लक्ष्य हासिल कर लिया है।

भारत संयुक्त राष्ट्र मिशनों में महिला शांति सैनिकों की तैनाती में अग्रणी रहा है। 1960 के दशक में, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाओं से संबंधित महिला शांति सैनिकों को कांगो में शांति अभियानों में तैनात किया गया था। 2007 में, भारत लाइबेरिया में एक पूर्ण महिला गठित पुलिस इकाई (एफपीयू) तैनात करने वाला पहला संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश बन गया है। यह एफपीयू 2007 से 2016 तक तैनात रही। मेज़बान सरकार और समुदाय ने उनकी कार्यकुशलता और आचरण की सराहना की है।

वर्तमान में, 154 भारतीय महिला शांति सैनिक 6 संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में तैनात हैं।

सीयूएनपीके शांति अभियानों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से महिला शांति सैनिकों के लिए विशेष रूप से तैयार पाठ्यक्रम और कैप्सूल आयोजित करता है।

(घ) भारत ने 24-25 फरवरी 2025 को नई दिल्ली में 'वैश्विक दक्षिण की महिला शांति सैनिकों' के लिए सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें वैश्विक दक्षिण के 35 देशों की महिला शांति सैनिक एक मंच पर साथ आईं।

इस सम्मेलन का प्रयोजन वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच आपसी संवाद को बढ़ावा देकर, अनुभवों को साझा करके और सहयोग में सुधार करके संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाना था। इस सम्मेलन में शांति स्थापना से संबंधित समकालीन प्रासंगिक मुद्दों और शांति स्थापना अभियानों के समक्ष आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की गई। इस सम्मेलन के दौरान जिन विषयों पर चर्चा हुई, उनमें शांति स्थापना में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाना, शांति सैनिकों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, यौन शोषण और दुर्व्यवहार से निपटना, शांति स्थापना में क्षेत्रीय सहयोग और शांति स्थापना में प्रौद्योगिकी के उपयोग को कैसे बढ़ाया जाए, आदि विषय शामिल थे।

इस सम्मेलन ने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में भारत को एक अग्रणी सहभागी के रूप में स्थापित किया। इसने समावेशी और कारगर शांति अभियानों को बढ़ावा देने में भारत की भूमिका की पुष्टि की, लैंगिक समानता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और वैश्विक सुरक्षा एवं शांति प्रयासों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। इसने संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में वैश्विक दक्षिण के साथ मिलकर कार्य करने की भारत की प्रतिबद्धता को और भी दृढ़ किया है।
